(4) Dr. Meena Devi
Dpt of — psychology
Class — D II (H) / III paper

Date 25·4·20
Page 1

Ques (1) What is Anxiety disorder? Describe the symptoms and etology of (Gen.) Anxiety Disorder.
चिंता मनोविकार क्या है? चिंतामनोविकार के लक्षणों एवं कारणों का वर्णन करें। (Generalized) (सामान्यीकृत)

Ans → चिंता प्रत्येक व्यक्ति को होती है यह एक स्वभाविक मानसिक अवस्था है। इसी को चिंता का कारण होता है, जैसे छात्र का परीक्षा के पहले की चिंता रोगी का डा. के पास जाने के पहले की चिंता सभी सामान्य चिंता के अन्तर्गत आते हैं। सामान्य चिंता का कोई कारण होता है, विषय खत्म होने पर चिंता भी खत्म हो जाती है।

"चिंता मनोविकार" सामान्य चिंता से अलग होता है। इस रोग की प्रमुख विशेषता है कि रोगी की चिंता विषयहीन होती है, चिंता मनोविकार से ग्रस्त व्यक्ति बेचैनी तथा आशंका का अनुभव करता है।

(Fisher) ने असामान्य चिन्ता उन आन्तरिक प्रतिक्रिया है जिसका ज्ञान व्यक्ति को नहीं होता है। चिंता से ग्रस्त व्यक्ति को कौन व्यक्ति कहाँ गया कब आया इसकी जानकारी उसे नहीं रहती है तथा वह अपने ही बारे में ज्यादा सोचते रहते हैं।

Generalised anxiety disorder —

यह एक चिंतायुक्त विकार है। इसमें रोगी केवल काल्पनिक विचारों में खोया रहता है उसके विचार तात्कालिक जीवन के अनुभव पर आधारित नहीं होता है यह एक सामान्य विकार है।

Mental Symptoms →

(1) अनिद्रा (Sleeplessness) (3)
(2) बेचैनी (Restlessness)

Scanned with CamScanner

(3) एकाग्रता में कमी (Lack of concentration)
(4) परेशानी एवं आशंका (Worry and apprehension)
(5) अधिक सतर्कता (Over vigilance)
(6) असुरक्षा की भावना (Feeling of insecurity)

(Somatic disorder)

(1) चक्कर आना (Dizziness)
(2) थका हुआ अनुभव (Tiredness)
(3) बार-2 मूत्रत्याग करना (Frequent urination)
(4) धड़कन में वृद्धि (Increased palpitation)
(5) मूर्च्छा का अनुभव (Feeling of faint)
(6) अधिक पसीना आना (Increased sweating)
(7) श्वास सम्बन्धी कठिनाई (Breathlessness)
(8) कँपकँपी होना (Trembling)
(9) गला सूखना (Dryness of throat)
(10) रक्त चाप में परिवर्तन (Changes in blood pressure)

Panic disorder →

Charls Darwin के अनुसार पीड़ित व्यक्ति 'दहशत' का अनुभव करता है। सामान्यीकृत चिंता विकृति की तरह आतंक ग्रास वाले व्यक्ति हर समय चिंतित नहीं रहते हैं इसतरह के दौरे की आकस्मिकता अत्यन्त विक्षोभकारी होती है, फलतः रोगी पूर्णरूप से विक्षुब्ध रहता है (Disturbed) ऐसे रोगियों के भय को "फ्रेड ऑफ फ्रेड्स" कहा जाता है। इसमें रोगी सार्वजनिक स्थानों में जाने से कतराने लगता है अतः उसका व्यवहार परिवार के व्यक्ति से अलग-थलग होने लगता है।

आतंक ग्रास के लक्षण — आतंक ग्रास बहुआयामी लक्षण के होते हैं। आतंक की स्थिति में रोगी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से अपने को बचाने की कोशिश करता है।

Scanned with CamScanner

Date 25.4.20
Page 3

Causes of anxiety) – व्यक्ति कई कारणों से चिंता मनस्ताप से ग्रस्त हो सकता है जो इस प्रकार है।

(1) Mental conflict and frustration)
मे किसी बात को लेकर निरंतर मानसिक संघर्ष बना रहता है और वह उसे पूरा नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति चिंता मनस्ताप से ग्रस्त हो सकता है।

2 लैंगिक वासना का दमन (Repression of sexual desire)
Freud का कहना है कि जब व्यक्ति में यौन इच्छा प्रबल हो जाती है और वह किसी कारणवश अपने लैंगिक आवेश को संतुष्ट करने में निरंतर असफल रहता है तो उसकी यौन इच्छा का दमन हो जाता है जिसके कारण व्यक्ति चिंता मनस्ताप से ग्रस्त हो जाता है।

3 हीन भावना (Inferiority Complex)
Adler का कहना है कि जब व्यक्ति के Ego का समुचित रूप से विकास नहीं हो पाता है तो व्यक्ति में हीनता की भावना आने लगती है।

4 असुरक्षा की भावना → जब वह बचपन में रहता है और उसके घरवाले डरते होते हैं उसको वह भूलने को घबराते रहते है इस कारण या वह असुरक्षा की भावना आ जाती है और वह धीरे-2 चिंता मनस्ताप से ग्रस्त होने लगता है।

Scanned with CamScanner